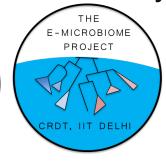
Field-Scale Remediation Works at Chromium Contaminated Site in Rania Village, Kanpur Dehat, India

A Perfect Example of Turning Vision into Reality

Anusandhan National Research Foundation (ANRF) Funded Ramanujan Fellowship Works







Presented at





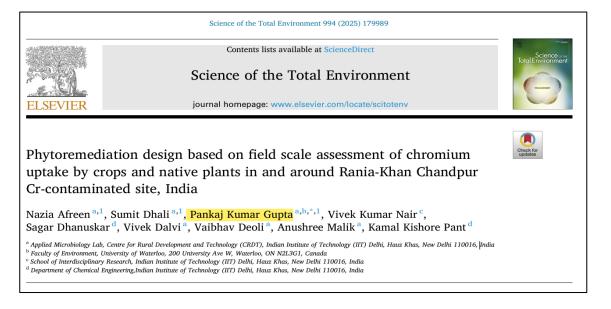
Session: Achieving Remediation End States: Turning Vision into Reality | November 6, 2025, 1:00 p.m.

Pankaj Kumar Gupta

Indian Institute of Technology Delhi, India

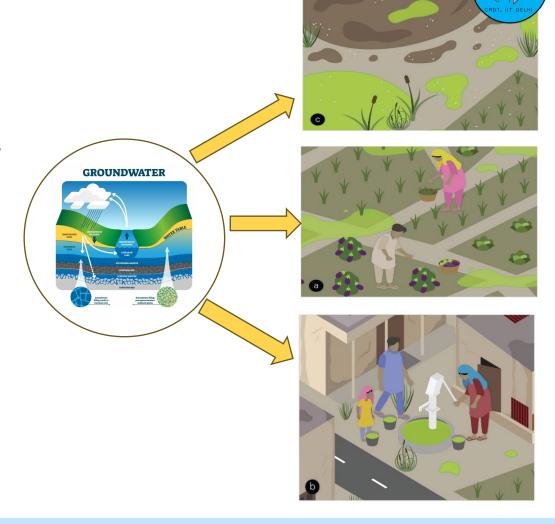
Coauthors: Prof. A. Malik, Prof. K. K. Pant, Indian Institute of Technology Delhi





Introduction

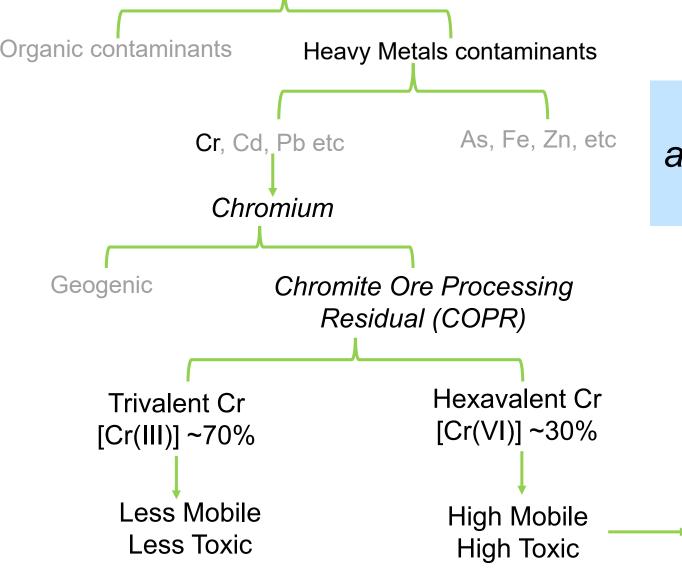
- Contamination in the soil-groundwater system poses a <u>serious problem in</u> <u>India and worldwide</u>, as most of drinking water comes from groundwater sources.
- Approximately 600+ million people are at a high risk due to contaminated soil and groundwater resources in India (Nitti Ayog, 2018).



"Managing soil and groundwater quality is crucial for development and livelihoods."

Soil-Groundwater Contaminants





"Cr is a major concern for soil and groundwater quality and thus for the community health."

Cr Contaminated Groundwater for drinking







High Cancer Risk

Cr-Contaminated Sites



Cr (mg/l)

115

46

40.52

16.2

12

1.07

2.48

11.35

1.64

0.99

15

0.18

3.5

1.5

Longitude

80.546

80.048

79.319

77.594

76.493

77.096

86.332

85.917

85.526

80.270

80.402

93.500

76.527

Site

Chhiwali

Rania

Ranipet

Nuggihalli

Sholan

Jajpur Sukinda

Chhanai Jaimau

Papum Pare

Rupnagar

Balangar

Odisha

Latitude

26.193

26.402

12.948

12.971

13.054

30.900

20.834

20.964

23.634

13.084

26.425

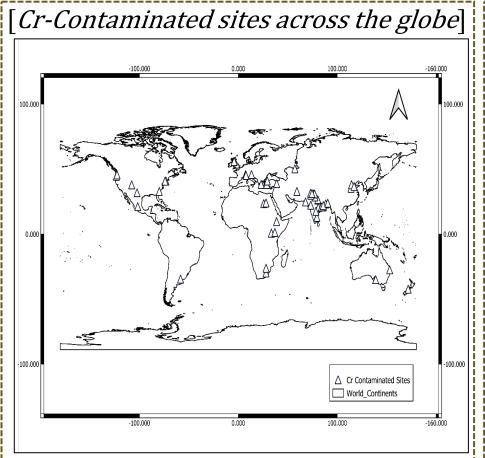
27.224

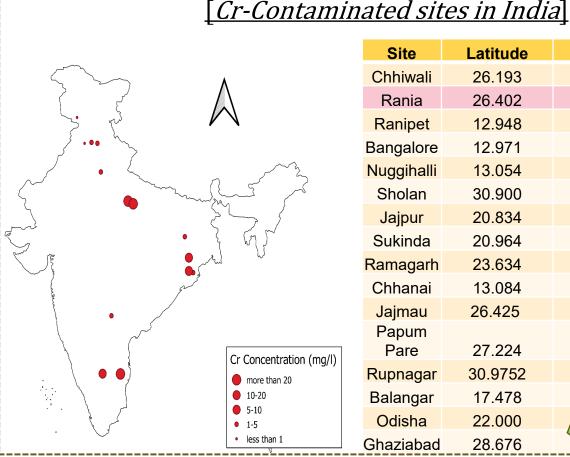
30.9752

17.478

22.000

28.676





"No. of contaminated sites in India are increasing and most of such sites are located in rural or peri-urban areas."

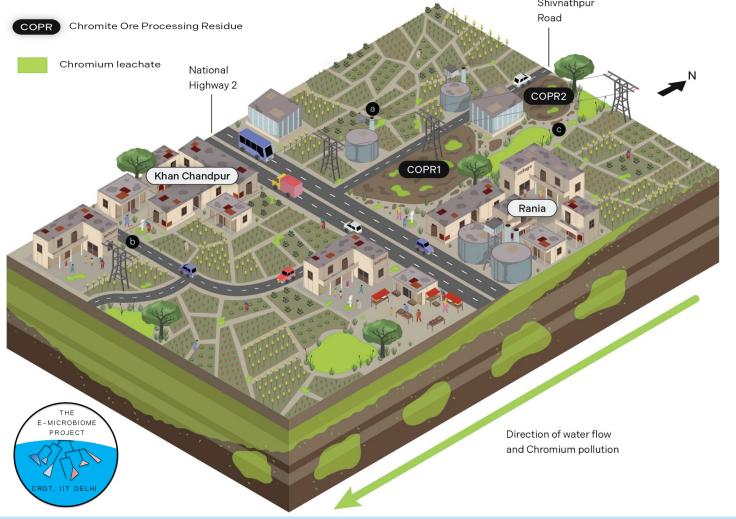
Gaps



"Only a few Cr-contaminated sites have been investigated yet over the world. Thus, most of the questions are yet to be answered"

A very little is known about the source, occurrence, fate, transport and remediation of Cr in Indian soil and groundwater system.

Cr-Contaminated Rania & Khan Chandpur Villages



- 2022-Onwards: The CRDT Team has undertaken this site to study
- 2021-Onwards: Hon'ble NGT order to demonstrate remediation (No action taken yet by any agency due to lack of knowledge)
- 2019: Hon'ble NGT ordered to stop dumping in Rania
- 1970-2019: COPR Dumped in Open Area of Rania

"A better understanding of potential transport pathways, rates, and more efficient clean-up strategies is needed to improve soil-water (groundwater) quality."

Cr-Contaminated Rania & Khan Chandpur Villages







एनजीटी को दी गई सरकार की रिपोर्ट में खुलासा, टेनरी का कचरा कर रहा बीमार

कानपुर देहात के लोगों के खून में क्रोमियम











🔳 प्रभात कुमार

नईदिल्ली।दुनियाभरमें मशहरकानपुर के चमडा उद्योगों से निकलने वाला प्रदर्षण अब लोगों को बीमार कर रहा है। चमडा उद्योगों में इस्तेमाल होने वाला क्रोमियम अब कानपर, कानपर देहात और फतेहपर के लोगों के खन में तय मानक से काफी अधिक पाया गया है। कछ लोगों के खन में मर्करी (पारा)की मात्रा भी तय मानक से अधिक पाई गई है। इसका खलासा नेशनल ग्रीन टिब्यनल (एनजीटी)के आदेश पर इन जिलों के प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों के खन के नमनों की जांच रिपोर्ट

स्वास्थ्य विभाग ने दी रिपोर्टः एनजीटी प्रमुख जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव, न्यायिक सदस्य जस्टिस सधीर अग्रवाल और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ के समक्ष इस बारे में उत्तर प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के विशेष सचिव धीरेंद्र सिंह सचान ने रिपोर्ट पेश की। इस रिपोर्ट में कानपर के पनकी औद्योगिक क्षेत्र, राखी मांडी, रानिया खेडा, तेजाब मिल परिसर अनवर गंज.

कुछ लोगों के खून में खतरनाक पारा भी मिला



यह भी जानें मानव रक्त में कोमियम की मात्रा 1.4यजी/एल से अधिक नहीं होना चाहिए। मर्करी (पारा) मानव रक्त में मर्करी की मात्रा २० यजी/एल से

एनजीटी ने दिल्ली एम्स से मांगी मदद

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने क्रोमियम, पारा आदि भारी धातुओं की उपस्थिति को गंभीर बताते हुए कहा कि प्रभावितों को समुचित चिकित्सा सहायता देने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा है कि इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए हमारा मानना है सही स्थिति का पता लगाने और प्रभावित लोगों को किस प्रकार का उपचार दिया जाना चाहिए और उन्हें उचित चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली की सहायता जरूरी है। मामले में एम्स को पक्षकार बनाने के साथ ही नोटिस जारी कर एनजीटी ने एम्स के निदेशक को उचित सलाह देने को कहा है।

गोला घाट, जाजमऊ औद्योगिक क्षेत्र सहित आठ प्रभावित इलाकों के साथ-साथ कानपर देहात और फतेहपर जिला के प्रभावित इलाकों के लोगों के खन है। इसमें कहा गया है कि जांच रिपोर्ट में

कछ लोगों के खन में क्रोमियम व पारा तय मात्रा से अधिक पाया गया है।

तीनों जिलों के डीएम ने भी दी रिपोर्टः कानपर नगर, कानपर देहात और फतेहपर के जिलाधिकारियों ने भी अपनी-अपनी रिपोर्ट पेश की है। इस पर

फतेहपुरवासियों के खून में मिला क्रोमियम, तीन के शरीर में पारा भी मिला

नमुने कानपुर

प्रभावित इलाकों में एम्स अपने विशेषज्ञ भेजे

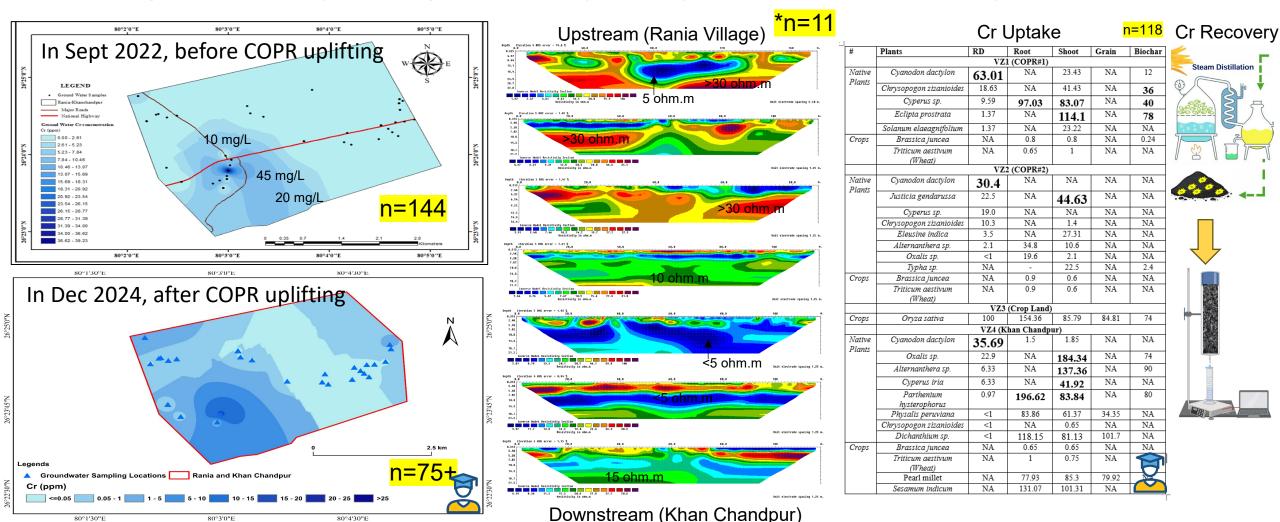
एनजीटी ने स्थिति को गंभीर बताते हए एम्स निदेशक से आग्रह किया है कि प्रभावित इलाकों में अपने विशेषज्ञों को भेजे ताकि स्थिति की गंभीरता का पता लगाया जा सके एम्स से यह पता लगाने के लिए कहा है कि प्रभावित, क्षेत्रों के लोगों को उनके खुन के नमुने में पारा, क्रोमियम और अन्य भारी धातओं की मौजदगी के कारण किस हद तक परेशानी और किस तरह की बीमारी हो रही है और उन्हें किस तरह का इलाज देने की जरूरत है।

नेशनल ग्रीन दिब्यनल ने चमडा उद्योगों से निकलने वाले क्रोमियम कचरे से होने वाले भूजल प्रदूषण से जुड़े मामले की सनवाई के दौरान प्रभावित इलाके मे जांच करने का आदेश दिया था

Our Approach Field Problem Identification/ **Assessment** [Hydrology] Hydro-**Ecosystem** geological **Simulation** investigations THE E-MICROBIOME **PROJECT Contaminated Sites** [Hydrogeology] CRDT, IIT DELHI Fate and Restorations/ **Transport of Practice** [Contaminant Hydrology] **Target Designs Contaminants** Remediation [Microbiome] **Design**

2+ Years of Monitoring & Assessment of These Villages

· Used soil-groundwater quality monitoring and ERT survey to identify contaminated areas, followed by lab experiments

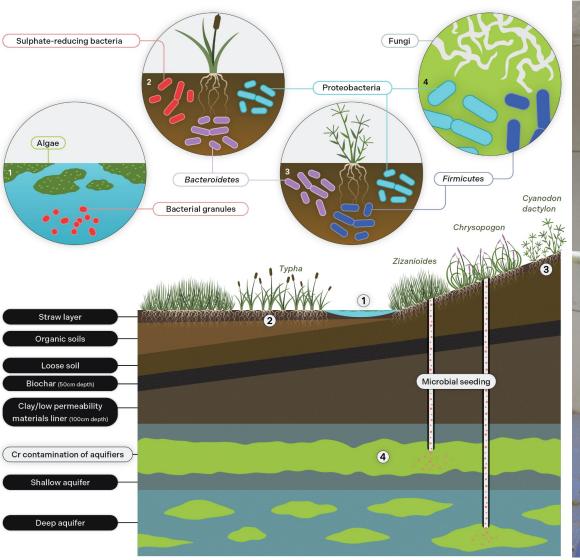


OUTCOMES:

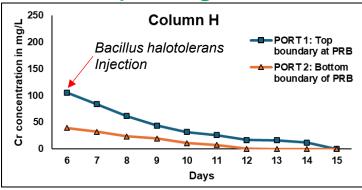
Helped identify safe water sources, leading to 10+ borewells providing clean drinking water, communicated risk.

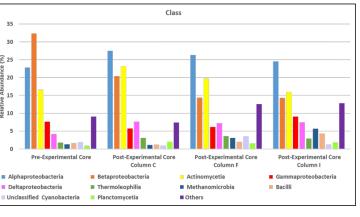
Testing the Proof of Concept

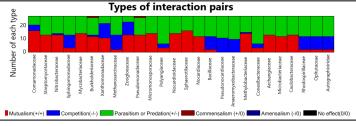
Used a biochar layer to improve bacterial communities to support initial plant growth





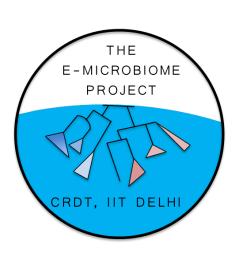






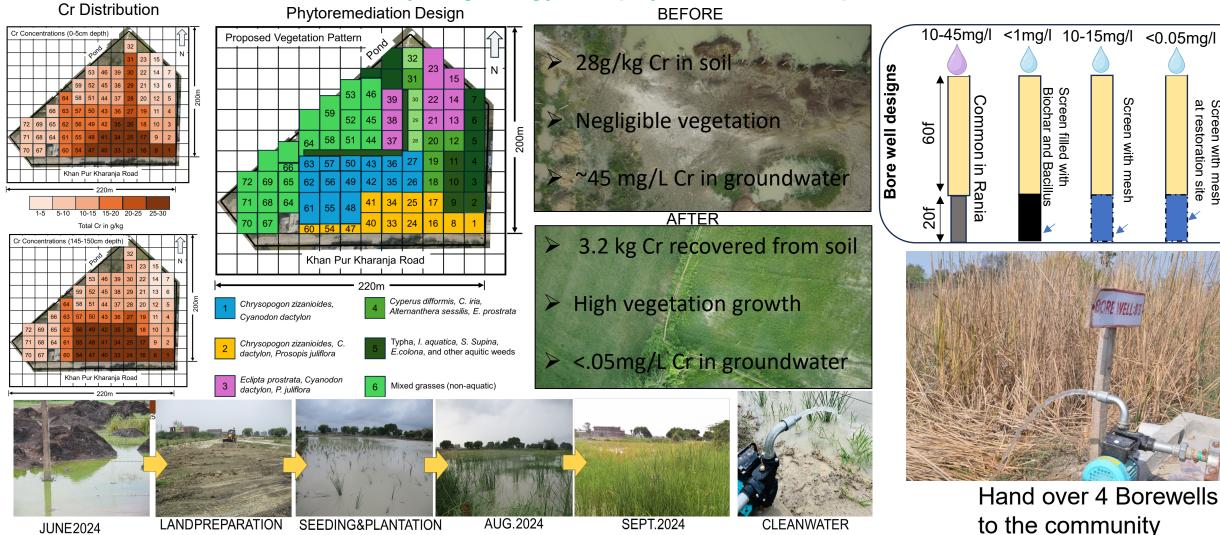
E-microBiome Project Demonstration at Rania-Khan Chandpur Cr Contaminated Site





Field Scale Demonstration for Soil-Water Quality Management

Based on the Cr distribution & hydrogeology, the phytoremediation plots were tested in Rania village



OUTCOME: This works has built the faith of residents on our works and thus improved their participations in water and soil conservation practices and in remedial actions.

Continued...

























Outcome



BEFORE

AFTER



JUNE2024



LANDPREPARATION



SEEDING&PLANTATION



AUG.2024



SEPT.2024



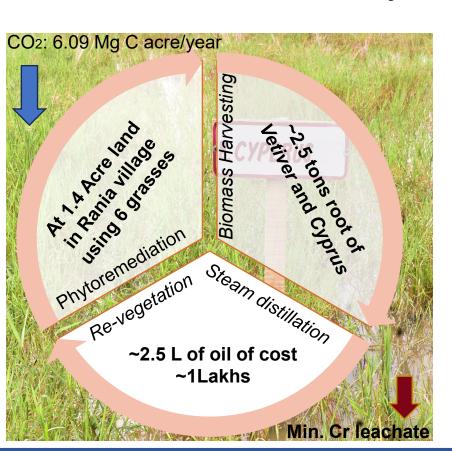
CLEANWATER

100% CLEAN UP ARCHIVED

Linkage between my research work and holistic development

- > S&T input and implementation for pressing rural challenges like environmental degradation, water management in villages.
- the aim is to use the biomass for material & livelihood purposes.

1. Biobased Circular Economy

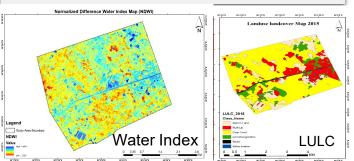


2. Improving quality of life by providing S&T inputs for safe drinking water & safe agriculture



3. More informed decisions based on depth & spatial variations





THANK YOU





&

Session Organizers

Keaton Belli, Geosyntec **Kelly Houston**, Arcadis

Dan Kaplan, Savannah River Ecology Laboratory

Tamzen Macbeth, CDM Smith

Jim Szecsody, Pacific Northwest National Laboratory (PNNL)

&

Lara Watkins, Karen P Smith